अभ्यास पत्रक

पाठ: 7 - वर्षा-बहार

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) वर्षा-बहार किसके मन को लुभा रही है?

(क) केवल कवि के (ख) केवल किसानों के

(ग) सब के (घ) केवल बच्चों के

(ii) आकाश (नभ) में कैसी छटा छा रही है?

(क) हल्की (ख) सुनहरी (ग) अनूठी (घ) डरावनी

(iii) तालाबों (तालों) में कौन बहुत प्रसन्न हो रहे हैं?

(क) कमल के फूल (ख) जीव-जलचर (ग) हंसों के झुंड (घ) किसान

(iv) पपीहे घूम-घूमकर क्या खो रहे हैं?

(क) अपना रास्ता (ख) अपना भोजन (ग) अपनी प्यास (घ) गर्मी का ताप

(v) यह कविता किस कवि द्वारा लिखी गई है?

(क) गिरिधर कविराय (ख) स्वयं प्रकाश

(ग) मुकुटधर पांडेय (घ) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) आसमान में बादल क्या कर रहे हैं?

उत्तर- .....

(ii) हवा कैसी चल रही है?

उत्तर- .....

(iii) ठंडी हवा चलने से डालियों पर क्या असर हो रहा है?

उत्तर- .....

(iv) पानी बरसने के साथ-साथ और क्या बह रहे हैं?

egyanarchive

उत्तर- .....

(v) बागों में सुंदर गीत कौन गा रही हैं?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) कविता में वर्षा ऋतु के दौरान आकाश में होने वाले किन तीन क्रियाओं का वर्णन है?

उत्तर- .....

.....

(ii) "चलती हवा है ठंडी, हिलती हैं डालियाँ सब" - इन पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- .....

.....

(iii) वर्षा ऋतु गर्मी से राहत दिलाती है, यह भाव किन पंक्तियों में व्यक्त हुआ है?

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) कविता की अंतिम पंक्तियों "इस भाँति है अनोखी, वर्षा बहार भू पर, सारे जगत की शोभा, निर्भर है इसके ऊपर।" का आशय स्पष्ट कीजिए। कवि वर्षा को इतना महत्वपूर्ण क्यों मानते हैं?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

egyanarchive

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 1)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न:

(i) (ग) सब के

(ii) (ग) अनूठी

(iii) (ख) जीव-जलचर

(iv) (घ) गर्मी का ताप

(v) (ग) मुकुटधर पांडेय

2. एक वाक्य में उत्तर:

(i) आसमान में बादल गरज रहे हैं।

(ii) हवा ठंडी चल रही है।

(iii) ठंडी हवा चलने से सब डालियाँ हिल रही हैं।

(iv) पानी बरसने के साथ-साथ झरने भी बह रहे हैं।

(v) बागों में सुंदर गीत मालिनें गा रही हैं।

3. संक्षिप्त उत्तर:

(i) कविता में आकाश में होने वाली तीन क्रियाओं का वर्णन है: आकाश में बादलों की अनूठी छटा का छाना, बिजली का चमकना और बादलों का गरजना।

(ii) इन पंक्तियों का भाव है कि वर्षा ऋतु में वातावरण शीतल हो जाता है। जब ठंडी-ठंडी हवा चलती है तो उसकी गति से पेड़ों की सभी डालियाँ झूमने या हिलने लगती हैं, जिससे एक मनोरम दृश्य उत्पन्न होता है।

(iii) यह भाव "फिरते लखो पपीहे, हैं ग्रीष्म ताप खोते।" पंक्तियों में व्यक्त हुआ है, जिसका अर्थ है कि पपीहे जैसे पक्षी जो गर्मी से व्याकुल थे, अब वर्षा आने पर प्रसन्न होकर घूम रहे हैं और गर्मी की तपन को भूल रहे हैं।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर:

(i) इन पंक्तियों का आशय है कि पृथ्वी पर वर्षा ऋतु का आगमन एक अनोखी और अद्भुत बहार लेकर आता है। यह केवल एक सामान्य ऋतु परिवर्तन नहीं है, बल्कि संपूर्ण संसार की सुंदरता और जीवन इसी पर आश्रित है। कवि वर्षा को इतना महत्वपूर्ण इसलिए मानते हैं क्योंकि वर्षा ही पृथ्वी पर जीवन का आधार है। बारिश के पानी से ही धरती पर हरियाली छाती है, नदियाँ-झरने बहते हैं, तालाब भरते हैं, और फसलें उगती हैं। इसी से पशु-पक्षियों और मनुष्यों को जीवन मिलता है। यदि वर्षा न हो तो सब कुछ सूख जाएगा और पृथ्वी की सारी सुंदरता नष्ट हो जाएगी। इसीलिए कवि कहते हैं कि पूरे जगत की शोभा वर्षा पर ही निर्भर है।